एक नजर में

देवनारायण गुर्जर महिला मण्डल ने मनाया फाग महोत्सव

मंदसौर। कालाखेत स्थित देवनारायण देवरा में कल देवनारायण गुर्जर महिला मण्डल के द्वारा फाग महोत्सव मनाया गया। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, अनुराधा नवकृष्ण पाटील, पूर्व पार्षद रंजना सुदीप पाटील, कांता गुर्जर, सम्पत गुर्जर, रामकन्या गुर्जर, संगीता गुर्जर, संगीता बिरला, यशोदा गुर्जर, लीला गुर्जर, जीना गुर्जर, ममता गुर्जर, इन्द्रा गुर्जर, माया गुर्जर, पेपा गुर्जर ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर फाग उत्सव मनाया। महिलाओं ने इस मौके पर होली के पर्व के गीत गाये और एक दूसरे को होली के पर्व की बधाई दी।

दलौदा में आयोजित हुई ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं

मंदसौर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्र भारत सरकार के द्वारा मेरा भारत युवा केंद्र के अंतर्गत मंदसौर ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता अटल बिहारी खेल परिसर दलौदा आयोजित की गई, प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा दलौदा मंडल अध्यक्ष श्री सुमित सेन एवं सुमन पब्लिक स्कूल के संचालक श्री अमित जैन उपस्थित थे, अतिथियों का स्वागत एंब्रोम्ज वॉल्टर, अभिषेक सेठिया, चंदन शर्मा, बद्रीलाल चौहान, हेमंत सेन, लक्की गौड़, विष्णु आदि ने स्वागत किया था। खिलाड़ियों ने इस दौरान बालक- बालिका वर्ग में कबड्डी, खो- खो, रस्साकस्सी, 200 मीटर एवं 400 मीटर दौड़ और गोला फेंक प्रतियोगिता में भाग लिया था। प्रतियोगिता के समापन अवसर के रूप में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष नानालाल आटोलिया, दलौदा पी .जी कॉलेज के जनभागीदारी के अध्यक्ष हेमन्त धनोतिया, सांसद प्रतिनिधि बंसीलाल राठौर, पूर्व सरपंच दिनेश पंवार आदि उपस्थित थे। अतिथियों की स्वागत के पश्चात खिलाड़ीयों को विजेता और उपविजेता को ट्रॉफी व मेडल से सम्मानित किया गया।

गर्मी में पेयजल समस्या के समाधान को कंट्रोल रूम बनाया

मंदसौर। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा ग्रीष्मकाल में संभावित पेयजल समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जिला स्तर पर पेयजल समस्या निवारण प्रकोष्ठ (कंट्रोल रूम) स्थापित किया गया है। कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने बताया कि जिले में पेयजल व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने तथा संभावित सूखा एवं अतिवृष्टि जैसी परिस्थितियों से निपटने के लिए यह कंट्रोल रूम संचालित किया जा रहा है। पेयजल संबंधी किसी भी समस्या के लिए नागरिक कंट्रोल रूम के दूरभाष क्रमांक 07422-256284 पर संपर्क कर सकते हैं। यह कंट्रोल रूम प्रतिदिन प्रात: 9 :00 बजे से सायं 6 :00 बजे तक कार्यरत रहेगा।

भूमि संबंधित और लोन आधारित लेन-देन में मंदसौर नगर में मची है खुली लूट शासन प्रशासन ध्यान दे : पारीख

मंदसौर। नगर तथा आस पास ग्रामीण क्षेत्रों कृषि भूमि, आवासीय भूमि, व्यावसायिक उपयोग हेतु भूमि भवन दुकान आदि के सौदे आधारीत लेन देन तथा उन पर लोन दिलवाने गिरवी रखवाने तथा रोजगार स्वरोजगार के लिये ऋण दिलाने की नई नई दुकान बेरोजगार युवा लगा रहे है। तथा बिना लाइसेंस प्रापटी डिलर तथा लोन दिलवाने की दुकाने चाय की गुमटियों की तरह शहर के प्रमुख चौराहों पर चारों और खुल रही है। यह संगठीत लुट के हथकंडे अपनाकर दुसरे की भूमि भवन बेचने का कहकर टोकन लेते है। तथा कुट रितिक रचना कर फर्जी जमीन फर्जी बेचवाल तथा फर्जी गवाह खड़े करके सुनियोजित लुट मची हुई है, दुसरे तीसरे दिन जमानत हो जाने से यह धंधा जोरो सैरो से फल फुल रहा है। बेचवाल को पता नही और आस पास की जमीन उसकी जमीन बताकर फर्जी रजिस्ट्रीयॉ हो जाती है। सभी खाली भू-खण्डों पर शासन प्रशासन को व्यावसायिक टेक्स लिया जाकर बाउंड्री बनवाकर भूमि स्वामी का नाम लिखवाने के निर्देश दिये जाने चाहिए इस आशय की मांग जन जागरण अभियान प्रभारी मनीष पारीख सर की गई। कोई किसी का फर्जी भू-खण्ड न बेच पायें। साथ ही लोन दिलवाने के नाम पर जगह जगह खाली यह लुट की दुकान लॉग इन फिस विजिटिंग चार्ज फर्जी दस्तावेज बनवाने तथा फर्जी कोटेशन बनवाने के नाम पर बदस्तुर लुट जारी है। लोन और जमीन आधारित यह लुट पर शासन प्रशासन को शिकंजा कसना चाहिए। फर्जी अनैतिक कार्य करने वालो के खिलाफ सख्त और न्यायसंगत कार्यवाही करना चाहिए।

मंदसौर की मिट्टी की खुशबू, गुरुग्राम में बनी पहचान

मंदसौर। मंदसौर की पहचान- गुणवत्ता, परंपरा और विश्वास महाराणा स्व-सहायता समूह की दीदियों ने यह साबित कर दिया है कि ग्रामीण महिला शक्ति जब संकल्प लेती है, तो जिला ही नहीं, प्रदेश का नाम रोशन कर देती है।

अफीम, श्री पशुपतिनाथ मंदिर और कृषि समृद्धि के लिए प्रसिद्ध यह जिला अब अपने शुद्ध और नेचुरल शरबत के लिए भी राष्ट्रीय पहचान बना रहा है। सरस आजीविका मेला 2026 में लेज़र वैली पार्क, गुरुग्राम में आयोजित इस भव्य मेले में इस बार फिर मंदसौर जिले के महाराणा स्व-सहायता समूह की सास-बहू की जोड़ी ने अपने नेचुरल और होममेड शरबत से ऐसा स्वाद बिखेरा कि पूरा मेला उनकी चर्चा से गूंज उठा। सुबह से देर शाम तक उनके स्टॉल पर ग्राहकों की लंबी कतारें इस बात की गवाही देती हैं कि मंदसौर का स्वाद अब राष्ट्रीय मंच पर अपनी अलग पहचान बना चुका है।

यह है असली गांव का स्वाद' - गुरुग्राम बोला- मेले में आने वाला हर व्यक्ति जैसे ही इन शरबतों का स्वाद लेता है, उसके चेहरे पर संतोष साफ दिखाई देता है। स्टॉल पर उपलब्ध प्रमुख शरबत- होली स्पेशल ठंडाई, शाही गुलाब, खस, केसर-बादाम, राजभोग, आम पन्ना, नेचुरल लेमन, अष्टामृत ये सभी शरबत पारंपरिक विधि से तैयार किए जाते हैं। इनमें किसी प्रकार का हानिकारक केमिकल नहीं मिलाया जाता, ग्राहकों की जुबान पर एक ही बात-इतना शुद्ध और असली स्वाद आज के समय में मिलना दुर्लभ है। मंदसौर ने सच में दिल जीत लिया। मंदसौर की पहचान-गुणवत्ता, परंपरा और विश्वास महाराणा स्व-सहायता समूह की दीदियों ने यह साबित कर दिया है कि ग्रामीण महिला शक्ति जब संकल्प लेती है, तो जिला ही नहीं, प्रदेश का नाम रोशन कर देती है। समूह की दीदी बताती हैं कि मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला परियोजना प्रबंधक मंदसौर अनिल मरावी और ब्लॉक अधिकारी अखिलेश कटलाना के मार्गदर्शन ने उन्हें नई दिशा दी। उनका कहना है -हमारा उद्देश्य सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि मंदसौर जिले की प्रतिष्ठा और देसी स्वाद को देशभर तक पहुंचाना है।

महिला आत्मनिर्भरता की प्रेरक गाथा-यह सिर्फ शरबत की कहानी नहीं है, यह मंदसौर की मेहनती महिलाओं की कहानी है-जो आज आत्मनिर्भरता, स्वदेशी उत्पाद और ग्रामीण उद्यमिता का प्रतीक बन चुकी हैं। नोएडा के बाद अब गुरुग्राम में भी मंदसौर का शरबत सरस मेले की शान बन गया है। मंदसौर- अब स्वाद से भी बनेगा राष्ट्रीय ब्रांड कृषि और धार्मिक पहचान के साथ-साथ अब मंदसौर अपनी शुद्धता और देसी स्वाद के कारण भी राष्ट्रीय मंच पर मजबूती से उभर रहा है।

कार का शीशा तोड़ 10 लाख की चोरी का खुलासा

मंदसौर। थाना वायडी नगर पुलिस ने कार का शीशा तोड़कर 10 लाख रुपये चोरी करने वाली अंतर्राज्यीय गैंग का मात्र 15 घंटे में खुलासा कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने चोरी की गई पूरी राशि और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है।

पुलिस के अनुसार 25 फरवरी को फरियादी तुलसीराम धनोतिया निवासी बोलखेड़ा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उन्होंने ढ्ढष्ठस्नष्ट और ॥ष्ठस्नष्ट बैंक से 18 लाख रुपये निकाले थे, जिनमें से 10 लाख रुपये अज्ञात बदमाश उनके घर के बाहर खड़ी कार का शीशा तोड़कर चोरी कर ले गए। मामले में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई।

पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीणा के निर्देशन में गठित टीम ने 50 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान की और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर राजस्थान पुलिस के सहयोग से चित्तौड़गढ़ जिले के बस्सी क्षेत्र से आरोपियों को पकड़ लिया। पुलिस ने करीब 300 किलोमीटर पीछा कर आरोपियों को दबोचा।

गिरफ्तार आरोपियों में मुख्य सरगना सुनिल उर्फ बाबू उर्फ बालू (32) और विष्णु उर्फ भरत (21) निवासी शिवमोगा, कर्नाटक शामिल हैं। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वे पहले मोटरसाइकिल चोरी कर फर्जी नंबर प्लेट लगाते थे और बैंक से नकदी निकालने वाले लोगों की रेकी कर मौका पाकर वारदात को अंजाम देते थे।

पुलिस ने आरोपियों से 10 लाख रुपये नकद और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त कर ली है। आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। कार्रवाई में वायडी नगर पुलिस व साइबर सेल तथा राजस्थान पुलिस का विशेष सहयोग रहा।

जनपद शिक्षा केंद्र मल्हारगढ़ में लगा उपकरण वितरण शिविर

मल्हारगढ़। आज जनपद शिक्षा केंद्र मल्हारगढ़ परिसर में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों हेतु उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विद्यालयों से आए दिव्यांग विद्यार्थियों को उनकी आवश्यकता अनुसार ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, वॉकर एवं अन्य सहायक उपकरण वितरित किए गए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष श्री राजेश दीक्षित, मल्हारगढ़ मंडल अध्यक्ष आशीष विजयवर्गीय, मंडल महामंत्री समर्थ गेहलोत, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि योगेश कच्छावा, जिला परियोजना समन्वयक डांगी, डाइट प्राचार्य राठौर, विकासखंड शिक्षा अधिकारी बी.एल. चौहान विकासखंड स्त्रोत समन्वयक शिशिर विजयवर्गीय, बीएसी नरेन्द्र चौधरी, एमआरसी अवधेश आर्य, प्राची अग्रवाल आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन दशरथ शर्मा भाईजी ने किया।

शिविर के दौरान तीन बच्चों को ट्राई साइकिल, पांच बड़ी व्हीलचेयर, पांच छोटी व्हीलचेयर, एक ब्रेल किट, 28 प्राइमरी किट, 4 सेकेंडरी किट, दो बैसाखी, दो रोलर, एक सी.पी. चेयर तथा चार बच्चों को कैलीपर प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं शिक्षकों की उपस्थिति रही। अधिकारियों ने बताया कि शासन की मंशा है कि प्रत्येक विशेष आवश्यकता वाले बच्चे को शिक्षा से जोड़ते हुए उसे आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। शिविर में अभिभावकों ने शासन की इस पहल की सराहना की और कहा कि इन उपकरणों से बच्चों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आएगा।

एक नजर — भव्य और विशाल समरसता गेर 8 मार्च को निकलेगी

होली पर्व समाज को बांधता है एकता के सूत्र में : दशरथ सिंह झाला

मंदसौर। होली हमारी संस्कृति का एक प्रमुख त्यौहार है यह केवल रंगों का त्यौहार नहीं बल्कि सामाजिक समरसता एकता प्रेम और भाईचारे का प्रतीक भी है इस त्यौहार में सभी लोग गिले शिकवे भूलकर उत्साह से भाग लेते हैं जिस समाज एकता के सूत्र में बनता है।

सामाजिक समरसता मंच लगभग दो दशकों से मंदसौर नगर में निवास करने वाले सभी समाज बंधुओं एवं सभी धार्मिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठनों के साथ यह पर्व मनाता चला आ रहा है

8 मार्च को सामाजिक समरसता मंच एक भव्य और दिव्य फाग यात्रा का आयोजन करने जा रहा है। इस आयोजन को भव्यता प्रदान करने के लिए नगर में निवास रत सभी समाज प्रमुखों की एवं विभिन्न धार्मिक

संगठनों की एक आवश्यक बैठक केशव नगर स्थित शिशु मंदिर के सभागार में आयोजित की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठ अभिभाषक दशरथ सिंह झाला ने कहा कि हमारे शेष त्योहार हम परिवार में मनाते हैं एक होली का पर्व ही वो पर्व है जो सामाजिक रूप से मनाया जाता है। इसलिए हम सबको पूरे उत्साह के साथ अधिक से अधिक संख्या में आना है और रंग पंचमी पर फाग महोत्सव को यादगार बनाना है।

वरिष्ठ पत्रकार ब्रजेश जोशी ने कहा कि हमें गर्व है कि हमारे मंदसौर शहर ने पूरे देश को सामाजिक समरसता का संदेश दिया है और इसका माध्यम बना है होली पर्व। यह प्रयोगवादी नगर है कोई भी रचनात्मक प्रयास हमेशा सफल होते हैं। इस बार 20 बस्तियों की गैर महागैर में परिवर्तित होगी ओर विहंगम स्वरूप फाग यात्रा का रंग पंचमी पर होगा।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रेस क्लब अध्यक्ष पुष्पराज सिंह राणा वरिष्ठ पत्रकार नरेंद्र धनोतिया, विकास भंडारी पंडित गोपाल कृष्ण त्रिपाठी अनिल मांडवकर नरेंद्र सिंह चौहान डॉक्टर प्रवीण मंडलोई कपिल भंडारी आदि कई समाज सेवियो द्वारा समरसता ग़ैर को भव्य और दिव्य बनाने के सुझाव दिए। पूरे नगर को तीन उपनगर एवं 20 भागों में विभाजित कर प्रत्येक क्षेत्र से ढोल नगाड़ों के साथ प्रात: 9 बजे से गैर निकाल जाएगी।

नीमच

एक नजर में

शालीमार बाग कॉलोनी में हुआ सामूहिक रोज़ा इफ्तार, गूंजा भाईचारे का संदेश

नीमच। रमज़ान के मुबारक महीने में नीमच की शालीमार बाग कॉलोनी में कॉलोनीवासियों द्वारा सामूहिक रोज़ा इफ्तार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉलोनी के लोग एक साथ बैठे और रोज़ा इफ्तार कर आपसी भाईचारे और मोहब्बत का संदेश दिया। इफ्तार के बाद सभी ने मिलकर जमाअत के साथ नमाज़ अदा की और देश में अमन-चैन, तरक्की और खुशहाली की दुआ मांगी। कार्यक्रम में कॉलोनी के बुज़ुर्गों, युवाओं और बच्चों ने भी उत्साह के साथ भाग लिया, जिससे पूरा माहौल सौहार्द और अपनत्व से भर गया। इस मौके पर हसन पठान ने बताया कि इस तरह के आयोजन आपसी एकता और भाईचारे को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम सामाजिक सौहार्द का सुंदर उदाहरण है और कॉलोनीवासी हर साल मिलकर ऐसे आयोजन करते रहेंगे, ताकि समाज में प्रेम और एकजुटता का संदेश बना रहे।

सीआरपीएफ में हर्षोल्लास, उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाया गया 'होली पर्व'

नीमच। रंग, उल्लास, सौहार्द एवं सामाजिक समरसता का प्रतीक पावन एवं पारंपरिक पर्व 'होली' देशभर में विविध सांस्कृतिक स्वरूपों में मनाया जाता है। यह पर्व केवल रंगों का उत्सव नहीं, अपितु परस्पर प्रेम, भाईचारे, सद्भाव, आपसी विश्वास तथा राष्ट्रीय एकता का सशक्त संदेश देने वाला महोत्सव है। होली का पर्व समाज में व्याप्त भेदभाव एवं मतभेदों को समाप्त कर आपसी सौहार्द एवं सद्भावना को सुदृढ़ करने का अवसर प्रदान करता है। साथ ही, यह वसंत ऋतु के आगमन, नवचेतना, नवीन ऊर्जा एवं सकारात्मकता का भी प्रतीक माना जाता है। इसी परिप्रेक्ष्य में, प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्रुप केन्द्र, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, नीमच के तत्वावधान में होली पर्व अत्यंत उत्साह, उमंग एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कैंप परिसर में 'होली मिलन एवं धुलेंडी समारोह' का सुव्यवस्थित एवं अनुशासित आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान समस्त राजपत्रित अधिकारीगण, अधीनस्थ अधिकारीगण, जवानों तथा उनके परिवारजनों ने पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। रंग-बिरंगे परिधानों, मधुर एवं पारंपरिक संगीत तथा उल्लासपूर्ण वातावरण ने संपूर्ण परिसर को उत्सवमय बना दिया। कार्यक्रम में सहभागिता करने वाले सभी अधिकारीयों, कार्मिकों एवं परिवारजनों ने आपसी एकता, सौहार्द एवं पारिवारिक वातावरण की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया।

बनारसी पंडों की वेशभूषा, उड़ता गुलाल और मस्ती में झूमते हजारों ...

▶ **होली की गैर बनी शहर का सबसे रंगीन जश्न**

नीमच। रंगों के पावन पर्व होली पर बुधवार को पूरा शहर उल्लास और उमंग के रंग में डूबा नजर आया। परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी होली उत्सव समिति नीमच के तत्वावधान में रंग रंगीली होली की गैर का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें शहरवासियों का उत्साह देखते ही बन रहा था।

सुबह करीब 10:30 बजे बारादरी से प्रारंभ हुई गैर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए 40 नंबर बिजली ऑफिस टेगोर मार्ग पर संपन्न हुई। गैर के दौरान ढोल-नगाड़ों की गूंज, उड़ता सतरंगी गुलाल और मस्ती में झूमते युवाओं की टोलियों ने पूरे शहर को उत्सवमय बना दिया। जहां-जहां से गैर निकली, वहां नागरिकों ने रंग-गुलाल उड़ाकर और पानी व गुब्बारों से स्वागत कर पर्व की खुशियां साझा कीं। गैर में बनारसी पंडों की पारंपरिक वेशभूषा में सजे होली उत्सव समिति के सदस्य विशेष आकर्षण का केंद्र बने रहे। वहीं मिक्की माउस और जोकर की वेशभूषा में कलाकारों ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी का मन मोह लिया। होली के मदमस्त और सदाबहार गीतों की धुन पर नागरिक जमकर थिरकते नजर आए। होली उत्सव समिति के अध्यक्ष बृजेश सक्सेना, सचिव सुरेश सोडानी और कोषाध्यक्ष गुणवंत ऐरन सहित अन्य पदाधिकारियों ने शहरवासियों को होली की शुभकामनाएं दीं। गैर बारादरी से शुरू होकर नया बाजार, घंटाघर, सराफा बाजार, तिलक मार्ग और पुस्तक बाजार से होते हुए 40 चौराहा पहुंची, जहां विधिवत समापन किया गया। पूरे मार्ग में व्यापारियों और आमजन ने रंग-गुलाल डालकर गैर का स्वागत किया।

होली का पर्व भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व रखता है। यह केवल रंगों का उत्सव नहीं बल्कि सामाजिक समरसता, भाईचारे और प्रेम का प्रतीक भी है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश देता है और प्रह्लाद-होलिका की कथा हमें सत्य, भक्ति और आस्था की शक्ति का बोध कराती है।

शहर की कॉलोनियों और गली-मोहल्लों में भी होली का पर्व पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने रंग-गुलाल लगाकर और मिठाइयों का आदान-प्रदान कर खुशियां बांटीं। इस तरह पूरा नीमच शहर होली के रंगों में सराबोर नजर आया।

नन्हीं ज़हरा फातिमा ने जीता सबका दिल :महज 3 साल 10 महीने की उम्र में रखा पहला रोज़ा

नीमच। नीमच में रमज़ान के मुबारक महीने के बीच एक ऐसी कहानी सामने आई है, जो सिर्फ खबर नहीं एहसास है। पेशे से पत्रकार तबरेज़ अगवान के घर अलसुबह करीब तीन बजे सेहरी की तैयारी चल रही थी। घर में हल्की रोशनी, रसोई से आती खुशबू, और रोज़े की नीयत का सुकून तभी अचानक छोटे कदमों की आहट हुई।

तीन साल दस महीने की नन्हीं ज़हरा फातिमा नींद से उठकर बाहर आई। आँखें अभी भी अधखुली थीं, लेकिन जिज्ञासा पूरी जागी हुई। उसने पूछा - आप क्या कर रहे हो

माँ-बाप ने मुस्कुराकर कहा - रोज़ा रख रहे हैं, दिनभर कुछ नहीं खाएंगे, शाम को इफ्तार करेंगे। इतना सुनते ही ज़हरा ने बिना एक पल गंवाए कहा मैं भी रोज़ा रखूंगी। घरवालों को लगा बच्चों वाली बात है लेकिन उस मासूम ने बात को खेल नहीं बनने दिया। उसने बाकायदा सेहरी की दाल-रोटी खाई, दूध पिया, खजूर लिया और पूरे आत्मविश्वास से बोली मैंने रोज़ा रख लिया।

सुबह जब बाकी बच्चे नाश्ते की जिद करते हैं, उस वक्त ज़हरा से पूछा गया कुछ खाओगी उसका जवाब साफ था मेरा रोज़ा है। दिन चढ़ता गया। कभी पानी की पेशकश हुई, कभी फल लेकिन हर बार वही जवाब - मेरा तो रोज़ा है।

शाम ढलने लगी, अज़ान का वक्त करीब आया और एक नन्हीं सी बच्ची ने मुस्कुराते हुए अपना पहला रोज़ा मुकम्मल कर लिया। इस्लाम में रोज़ा बालिग होने के बाद फर्ज होता है, लेकिन कम उम्र में इबादत की यह चाह, यह अभ्यास घर के माहौल और परवरिश की गवाही देता है।

ज़हरा की यह कोशिश सिर्फ एक रोज़ा नहीं, बल्कि उस मासूम दिल का ऐलान है कि इबादत उम्र नहीं देखती, नीयत देखती है। रमज़ान रहमत, बरकत और सब्र का महीना है और नीमच की यह नन्हीं बच्ची आज उसी सब्र की सबसे प्यारी तस्वीर बन गई है।

एक नजर — श्रद्धा के साथ हरिद्वार रवाना हुई 11 अस्थियां

24वीं लावारिस अस्थि कलश यात्रा निकाल दिया मानवता का संदेश

नीमच। सेवा और मानवता की अनूठी मिसाल पेश करते हुए विजिया मित्र मंडल द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 24वीं लावारिस अस्थि कलश यात्रा गुरुवार को श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में निकाली गई। सुबह 8.30 बजे नीमच सिटी रोड स्थित मुक्तिधाम से शुरू हुई इस यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और लावारिस अस्थि कलशों को नम आंखों से श्रद्धांजलि दी।

यात्रा के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। बैंड-बाजों की धुन पर मानो तो मैं गंगा मां हूं, ना मानो तो बहता पानी गंगा तेरा पानी अमृत हर-हर भोले नम: शिवाय जैसे भजनों के साथ गंगा माता और भगवान शिव का गुणगान किया गया। यात्रा मुक्तिधाम से प्रारंभ होकर बारादरी चौराहा, बड़े बालाजी मंदिर, शीतला माता मंदिर, नृसिंह मंदिर, श्रीराम चौक, बिचला गोपाल मंदिर, घंटाघर चौक, शनि मंदिर, श्रीराम मंदिर, जाजू बिल्डिंग और बावड़ी वाले बालाजी मंदिर सहित शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। यात्रा मार्ग में कई स्थानों पर व्यापारी, दुकानदार, श्रद्धालु महिलाएं और समाजजन बड़ी श्रद्धा के साथ मौजूद रहे। लोगों ने अस्थि कलशों पर पुष्प अर्पित किए, अगरबत्ती लगाई और श्रद्धानिधि चढ़ाकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दी। पूरे मार्ग में श्रद्धा, संवेदना और मानवता का अनोखा संगम देखने को मिला। इस वर्ष मंडल के 11 सदस्य 11 निराश्रित और लावारिस लोगों की अस्थियां लेकर हरिद्वार के लिए रवाना हुए हैं। इनमें गोपाल सिंघल, सत्यनारायण शर्मा, अनिल मित्तल, राजेश गोयल, संजय गोयल, दिलीप मित्तल, राकेश सफा, अरुण सैनी सहित अन्य सदस्य शामिल हैं। मंडल के सदस्य नीमच से रेल द्वारा चित्तौड़गढ़ पहुंचे, जहां से शाम 4 बजे ट्रेन के माध्यम से हरिद्वार के लिए प्रस्थान किया। 6 मार्च को हर की पैड़ी पर पूर्ण विधि-विधान से इन अस्थियों का तर्पण और गंगा में विसर्जन किया जाएगा। इसके बाद जरूरतमंदों को भोजन कराकर दक्षिणा भी दी जाएगी।

विजिया मित्र मंडल पिछले कई वर्षों से लावारिस और गरीबों की अंत्येष्टि का कार्य भी कर रहा है। मंडल अब तक 23 वर्षों में करीब 700 अस्थियों का गंगा में विधिवत तर्पण और विसर्जन कर चुका है। साथ ही मंडल द्वारा गोमाबाई रोड स्थित गंगा वाटिका में मूक प्राणियों और पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था भी निरंतर की जा रही है।

अस्थि कलश यात्रा के दौरान एक भावुक दृश्य भी देखने को मिला। एक श्वान मुक्तिधाम से ही यात्रा के साथ चलता रहा और विसर्जन स्थल राजेंद्र प्रसाद स्टेडियम के बाहर तक पहुंच गया। वहां वह काफी देर तक शांत बैठा रहा। कई लोगों ने इसे आत्मा के प्रति निष्ठा और भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक माना।